RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 254, सोमवार, 21 अक्टुबर, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्ड ऑफिसः- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तंगधार में पाक के सीजफायर उल्लंघन पर राजनाथ सिंह की नजर, आर्मी चीफ से की बात

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के तंगधार सेक्टर में पाकिस्तानी सेना द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन के बाद की स्थिति की जानकारी ली। सूत्रों के मुताबिक राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख जनरल बिपिन रावत से बात की है। रक्षा मंत्री व्यक्तिगत रूप से स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और सेना प्रमुख से उन्हें अपडेट देते रहने के लिए कहा है। बत दें कि पाकिस्तान की तरफ से बिना किसी उकसावे के तंगधार सेक्टर में फायरिंग की गई थी जिसके जवाब में भारतीय सेना ने भी आर्टिलरी गन का इस्तेमाल किया और नीलम घाटी (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) में गोले दागे। भारतीय सेना की इस कार्रवाई में आतंकियों के करीब चार पैड ध्वस्त हो गए। सूत्रों के मुताबिक सेना की इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सैनिकों समेत 20 आतंकी मारे गए। वहीं कईयों के घायल होने की भी सूचना है। पाकिस्तान ने भी भारतीय कार्रवाई की बात मानी है।

भारतीय सेना की बड़ी कार्रवाई, आर्टिलरी गन से पाक में तबाह किए 4 आतंकी लॉन्च पैड

नेशनल डेस्क। भारतीय सेना ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कई आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान की तरफ से बिना किसी उकसावे के तंगधार सेक्टर में फायरिंग की गई थी जिसके जवाब में भारतीय सेना ने भी आर्टिलरी गन का इस्तेमाल किया और नीलम घाटी (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) में गोले दागे। भारतीय सेना की इस कार्रवाई में आतंकियों के करीब चार पैड ध्वस्त हो गए। सूत्रों के मुताबिक सेना की इस कार्रवाई में पाकिस्तानी सैनिकों समेत 20 आतंकी मारे गए। वहीं कईयों के घायल होने की भी सूचना है। पाकिस्तान ने भी भारतीय कार्रवाई की बात मानी है। वहीं भारतीय सेना ने कहा कि उन्होंने जो गोले दागे वह पाकिस्तान के लिए जवाबी कार्रवाई थी। पाकिस्तान की तरफ से शनिवार देर रात से सीजफायर का उल्लंघन किया गया और आम लोगों को निशाना बनाकर गोलीबारी की गई। पाकिस्तान की तरफ से की गई गोलीबारी में भारतीय सेना के दो जवान शहीद हो गए, एक नागरिक की मौत हो गई व दो नागरिक घायल हो गए। इतना ही नहीं कई मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। पाकिस्तान की फायरिग का जवाब देते हुए भारतीय सेना ने तीन जगहों को टारगेट किया। पहला जहां से पाकिस्तानी सेना फायरिंग कर रही थी, दूसरा टेररिस्ट लॉन्च पैड जहां से आतंकी पाकिस्तानी सेना की मदद से भारत में घुसपैठ की कोशिश में थे और तीसरा, जहां से हथियार (एक प्रकार का तोप) के माध्यम से भारतीय सीमा में मौजूद नागरिकों को निशाना बनाया जा रहा था। सेना ने साफ किया कि यह पाकिस्तान की ओर से की जा रही फायरिंग की जवाबी कार्रवाई है।

पिता ने पहले बेटियों को उतारा मौत के घाट, फिर खुद को भी गोली मार कर लिया सुसाइड

श्रीगंगानगर । गांव अलीपुरा में पूर्व सरपंच गणपतराम के पुत्र हनुमान दास ने अल सुबह 4 बजे अपनी दो पुत्रियों अमनदीप और रमनदीप की हत्या कर खुद को भी गोली मार ली। सूत्रों के मुताबिक हनुमान दास की चार बेटियां और एक बेटा था। हनुमान गत रात अपने साढ़ू के बेटे की शादी से देर रात लौटा था और रविवार सुबह वह छत से उतर कर नीचे आया और अपनी दो बेटियों अमन और रमन को पहले गोली मारी और उसके बाद खुद को भी गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर गांववाले मौके पर आए और दोनों बेटियों को कार में डालकर सादुलशहर के राजकीय चिकित्सालय ले गए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने दोनों लड़कियों के शव स्थानीय मुर्दाघर में रखवा दिए और पुलिस को इसकी सूचना दी। घटना की सूचना पाकर सीईओ ताराराम मौके पर पहुंचे व पूरे मामले की जानकारी ली। थाना प्रभारी बलराम बलवंत राम नायक ने बताया कि घटना की हर पहलू से जांच की जा रही है।

पिता ने पहले बेटियों को उतारा मौत के घाट, फिर खुद को भी गोली मार कर लिया सुसाइड

श्रीगंगानगर । गांव अलीपुरा में पूर्व सरपंच गणपतराम के पुत्र हनुमान दास ने अल सुबह 4 बजे अपनी दो पुत्रियों अमनदीप और रमनदीप की हत्या कर खुद को भी गोली मार ली। सूत्रों के मुताबिक हनुमान दास की चार बेटियां और एक बेटा था। हनुमान गत रात अपने साढ़ू के बेटे की शादी से देर रात लौटा था और रविवार सुबह वह छत से उतर कर नीचे आया और अपनी दो बेटियों अमन और रमन को पहले गोली मारी और उसके बाद खुद को भी गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर गांववाले मौके पर आए और दोनों बेटियों को कार में डालकर सादुलशहर के राजकीय चिकित्सालय ले गए जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने दोनों लड़कियों के शव स्थानीय मुर्दाघर में रखवा दिए और पुलिस को इसकी सूचना दी। घटना की सूचना पाकर सीईओ ताराराम मौके पर पहुंचे व पूरे मामले की जानकारी ली। थाना प्रभारी बलराम बलवंत राम नायक ने बताया कि घटना की हर पहलू से जांच की जा रही है।

चुनाव निकाय ने नालासोपारा के विधायक से कहा, प्रचार के दौरान सीटी मत बजाएं

पालघर। जिला निर्वाचन विभाग ने बहुजन विकास अघाड़ी के विधायक क्षितिज ठाकुर को एक नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें 21 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार करते हुए पार्टी का चुनाव चिह्न सीटी नहीं बजाने के लिए कहा है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नोटिस 16 अक्टूबर को जारी किया गया था, जब चुनाव मैदान में उतरे एक उम्मीदवार ने रैलियों के दौरान बहुजन विकास अघाड़ी के उम्मीदवारों द्वारा अत्यधिक सीटी बजाए जाने को लेकर चुनाव अधिकारी से शिकायत की थी। नालासोपारा के वर्तमान विधायक को लिखे एक पत्र में, निर्वाचन अधिकारी ए वी कदम ने उन्हें चुनाव प्रचार के दौरान सीटी नहीं बजाने के लिए कहा है। कदम ने पत्र में कहा कि सीटी उम्मीदवार को आवंटित एक चुनाव चिह्न है और इसे चुनाव प्रचार करते समय इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह स्थानीय निवासियों, वरिष्ठ नागरिकों और बीमार लोगों के लिए हानिकारक है।

हरियाणा चुनावः 75 हजार सुरक्षाकर्मी दे रहे ड्यूटी, 21 सीनियर पुलिस अधिकारी फील्ड में उतरे

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

पुलिस महानिदेशक मनोज यादव ने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा 21 अक्तूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाने हेतु सुरक्षा के सभी व्यापक बंदोबस्त किए हैं। चुनाव में अर्धसैनिक बलों की 130 कंपनियों के अलावा 75 हजार सुरक्षाकर्मी चुनावी ड्यूटी में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बार चुनाव से पहले पड़ोसी राज्यों द्वारा अंतर्राज्यीय सीमाओं को सील करने हेतु अपने एरिया में अधिकतम पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव ड्यूटी में 75,000 से अधिक पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। इसके अतिरिक्त सभी रेंज ए.डी.जी.पी./आई.जी., पुलिस आयुक्त और जिला एस.पी. को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने एरिया में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोई कसर न छोड़ें। सभी राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे चुनावी प्रचार के बावजूद प्रदेश में हिंसा या कानून व्यवस्था से संबंधित कोई अप्रिय घटना नहीं हुई और स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। डी.जी.पी. ने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार से चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने के प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा कानून व्यवस्था बिगाडने की कोशिश करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। चुनाव में सुरक्षा इंतजामों बारे में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (लॉ एंड ऑर्डर) नवदीप सिंह विर्क ने कहा कि विशेष सुरक्षा व्यवस्था के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 130 कंपनियों को तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त कड़ी चैकसी व सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु राज्य पुलिस के 26,896 जवान, 22,806 होमगार्ड, 7,936 विशेष पुलिस अधिकारी और 6,001 पुलिस ट्रेनी को चुनाव ड्यूटी में लगाया है। पुलिस द्वारा मतदान से पहले व मतदान के दिन किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि को रोकने व अवैध वस्तुओं के इस्तेमाल पर भी पैनी नजर रखी जाएगी। विर्क ने कहा कि कानून व्यवस्था से संबंधित किसी भी प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए 21 वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी विभिन्न जिलों में तैनात किया गया है।

चुनाव में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन विशेषकर नकदी, शराब व प्रलोभन की अन्य वस्तुओं के वितरण को रोकने के लिए फ्लाइंग स्क्वायड और निगरानी टीमों द्वारा चैकिंग तेज कर दी गई है।

चुनाव प्रचार के बाद हल्के मूड में दिखे राहुल गांधी, दिल्ली की बंगाली मार्केट में खाने पहुंचे चाट

नई दिल्ली। हरियाणा और महाराष्ट्र के लिए विधानसभा चुनाव का प्रचार शनिवार शाम पांच बजे खत्म हो गया है. हरियाणा और महाराष्ट्र में 21 अक्तूबर को मतदान होना है और 24 अक्तूबर को नतीजे आएंगे। पिछले कई दिनों से लगातार चुनावी रैलियां कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को हल्के मूड में दिखे। अक्सर कड़ी सुरक्षा से घेरे रहने वाले राहुल शनिवार को एक वैगन-आर कार में सवार होकर बंगाली मार्केट पहुंचे और यहां चाट का लुत्फ उठाया। चाट और मिठाई के शौकीनों के लिए दिल्ली वालों की सबसे पसंदीदा जगह बंगाली मार्केट है, यहां पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, अभिनेता अनुपम खेर जैसे नेता-अभिनेता लजीज मिठाइयों का स्वाद चखने के लिए लेने आते रहते हैं। टी-शर्ट पहन आउंटिंग पर निकले राहुल अचानक वैगर आर से बंगाली मार्केट पहुंचे और यहां एक होटल में चटपटी चाट का लुत्फ उठाया। राहुल आम लोगों के बीच ही होटल में बैठे। राहुल करीब आधे घंटे तक होटल में रूके। वो अक्सर जब भी आउटिंग पर निकलते हैं तो अपने पसंदीदी चीजों का लुत्फ उठाते हैं। इससे पहले शुक्रवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए महेंद्रगढ़ से वापसी के दौरान उनके हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई थी। खराब मौसम के चलते राहुल के हेलिकॉप्टर की रेवाड़ी के एक कॉलेद में लैंडिंग करवाई गई। इस दौरान वहां कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। बच्चों को क्रिकेट खेलता देख राहुल गांधी भी मैदान पर आ गए और बैटिंग की। क्रिकेट खेलने वाला उनका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था।

आजादी से अब तक देश के लिए शहीद हुए 35 हजार पुलिसकर्मी

नेशनल डेस्क।

देश में सितंबर 2018 से लेकर इस साल अगस्त महीने तक आतंकवाद रोधी और अन्य अभियानों में सीआरपीएफ तथा बीएसएफ जैसे अर्धसैनिक बलों के कर्मियों सहित कुल 292 पुलिसकर्मी शहीद हुए हैं। यह जानकारी आधिकारिक आंकड़ों में दी गई है। आंकड़ों में यह भी उल्लेख किया गया है कि स्वतंत्रता से लेकर इस साल अगस्त तक 35 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों ने अपना बलिदान दिया है। सितंबर 2018 से इस साल अगस्त तक शहीद होने वाले राज्य पुलिस और अर्धसैनिक बलों के कर्मियों में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कर्मियों की संख्या सबसे अधिक 67 है। इनमें सीआरपीएफ के वे 40 जवान भी शामिल हैं जो इस साल 14 फरवरी को कश्मीर के पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हो गए थे। विभिन्न पुलिस बलों और संगठनों से प्राप्त आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि जिनमें से 15 इस साल मई में गढ़चिरौली में माओवादियों द्वारा किए गए बारूदी सुरंग विस्फोट में शहीद हो गए थे। इस एक साल की अवधि में शहीद होने वालों में छत्तीसगढ़ पुलिस के 14, कर्नाटक पुलिस के 12, रेलवे रक्षा बल (आरपीएफ) के 11, दिल्ली पुलिस के 10, राजस्थान पुलिस के 10, बिहार पुलिस के सात और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षाबल (सीआईएसएफ) के छह कर्मी शामिल हैं। इनके अलावा इस अवधि के दौरान झारखंड, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश और त्रिपुरा के पुलिस बलों तथा सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), राष्ट्रीय अपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) तथा असम राइफल्स के कर्मियों का नाम भी शहीद होने वालों की सूची में है। आंकड़ों के अनुसार अर्धसैनिक बलों के शहीद होने वाले जवानों में से ज्यादातर की जान नक्सलवाद और सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद के चलते गई। राज्य पुलिस बलों के कर्मियों की जान नक्सलियों, आतंकवादियों, शराब और बालू माफिया से निपटने तथा कानून व्यवस्था से जुड़े अन्य दायित्वों

को निभाते समय गई। स्वतंत्रता से लेकर अगस्त 2019 तक कुल 35,136 पुलिसकर्मियों ने राष्ट्र की रक्षा और लोगों को सुरक्षा उपलब्ध कराते समय अपना बलिदान दिया। शहीद पुलिसकर्मियों के नाम सोमवार को पुलिस स्मृति दिवस के दौरान पढ़े जाएंगे। पुलिस स्मृति दिवस 1959 में चीनी सैनिकों की गोलीबारी में शहीद हुए 10 पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है।

करतारपुर गलियारा उद्घाटन समारोह में मनमोहन नहीं बनेगे पाक के विशेष अतिथिः कुरैशी

पेशावर(एजेंसी)।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह 9 नवंबर को करतारपुर गलियारे के उद्घाटन समारोह में एक आम आदमी की तरह शामिल होंगे। डान अखबार के मुताबिक कुरैशी ने अपने गृहनगर मुल्तान में शनिवार को पत्रकारों से कहा कि डॉ. सिंह ने उनका न्योता स्वीकार कर लिया है और तय उद्घाटन समारोह में विशेष अतिथि के बजाय आम आदमी की तरह शामिल होंगे। कुरैशी ने कहा, '' हम आम आदम के तौर पर भी उनके शामिल होने का स्वागत करते हैं। उल्लेखनीय है कि प्रस्तावित गलियारा पाकिस्तान के करतारपुर स्थित दरबार सहिब को भारत के पंजाब प्रांत के गुरदासपुर स्थित डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे से जोड़ेगा और इस गलियारे में भारतीय श्रद्धालुओं को बिना वीजा आने जाने की अनुमति होगी। हालांकि उन्हें करतारपुर साहिब जाने के लिए परमिट लेना होगा, जिसकी स्थापना स्वयं सिखों के पहले गुरु, गुरु नानक देवजी ने 1522 में की थी। पाकिस्तान, भारतीय सीमा से करतारपुर के गुरुद्वारा दरबार साहिब तक गलियारा बना रहा है जबकि बाकी के हिस्से, सीमा से पंजाब के डेरा बाबा नानक तक के गलियारे का निर्माण भारत कर रहा है। कुरैशी ने बताया कि प्रधानमंत्री इमरान खान पाकिस्तान के हिस्से वाले गलियारे का उद्घाटन करेंगे जिससे रोजाना 5,000 भारतीय श्रद्धालुओं को पवित्र स्थल के दर्शन करने की सुविधा मिलेगी।

दिल्ली में मौसम ने ली करवट, फिर लौट सकती हैं जहरीली हवाएं

नई दिल्ली ।

मौसम की करवट से दिल्ली में हवा बदल गई और प्रदूषण का स्तर भी अत्यंत खराब से नरम हो गया है। वैज्ञानिकों के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ से हवा की गति बढ़ी है। इससे प्रदूषण कुछ कम हुआ है और बीती रात हुई हल्की बारिश से भी प्रदूषण में कमी आई, लेकिन सोमवार से प्रदूषण फिर बढना शुरू होगा। हवा बहने की दिशा बदलते ही दिल्ली में पराली जलने से हो रहा धुआं तेजी से पहुंचेगा जिससे पराली से 15 प्रतिशत प्रदूषण होगा। हालांकि, शनिवार को दिल्ली में हवा की गुणवत्ता का स्तर 161 दर्ज किया गया। पश्चिमी विझोभ का असर दो से तीन रहेगा और इससे दिल्ली के एक भी इलाके में 'लाल रंग' (बहुत खराब) नहीं दिखा। जबकि शुक्रवार सुबह प्रदूषण स्तर कुछ इलाकों में 300 से ऊपर दर्ज किया गया था। शनिवार को सिर्फ द्वारका में ही हवा का स्तर खराब (238) दिखा व सबसे कम आयानगर (104) में रहा। प्रदूषण बोर्ड के वैज्ञानिकों के अनुसार उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने के बाद हवा 22 अक्तूबर तक एक बार फिर अत्यंत खराब श्रेणी में पहुंच जाएगी जिससे समस्याएं फिर से बढ़ेंगी। नवम्बर के पहले सप्ताह में भी मौसम के चलते समस्याएं रहेंगी। हवा की गति धीमी रहेगी और दिल्ली की ओर दिशा होने के कारण समस्याएं रहेंगी। पटाखों के चलाने व पराली जलाने से दिक्कतें और बढ़ेंगी। सफर के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ से हवा की गति बढ़ी है जिससे प्रदूषण कम हुआ और शनिवार के बाद दोबारा बढना शुरू होगा। अभी हवा की स्थिति को ठीक करने में बारिश, स्थानीय धूल, सड़कों की धूल, हवा की गति, दिशा, आद्रता, स्थानीय तापमान, पराली जलाने के मामलों के पक्ष में होने से ही दिल्ली एनसीआर वासियों को राहत मिली है। दूसरी ओर आज भी कई इलाकों में जेनरेटर चलाने, आग जलाने, हाथों से सफाई के मामले सामने आए। जबकि दिल्ली-एनसीआर में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित कमेटी एप्का ने डीजल जेनरेटर बंद करने के आदेश पर सख्ती की है। यूपी, हरियाणा की राहत की अर्जी को ठुकराते हुए 22 अक्तूबर तक अमल की बाबत कार्ययोजना देने के लिए कहा है। प्रदूषण बोर्ड के वैज्ञानिकों के अनुसार उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने के बाद हवा 22 अक्तूबर तक एक बार फिर अत्यंत खराब श्रेणी में पहुंच जाएगी जिससे समस्याएं फिर से बढ़ेंगी। नवम्बर के पहले सप्ताह में भी मौसम के चलते समस्याएं रहेंगी। हवा की गति धीमी रहेगी और दिल्ली की ओर दिशा होने के कारण समस्याएं रहेंगी। पटाखों के चलाने व पराली जलाने से दिक्कतें और बढ़ेंगी।

बनर्जी के समर्थन में उतरे राहुल गांधी, कहा- कट्टरपंथी घृणा में अंधे हो गए हैं

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल के नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत बनजी के बारे में दिये गये बयान के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी बनर्जी के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने रविवार को कहा कि लाखों भारतीयों को अभिजीत के काम पर गर्व है। राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के नेताओं पर निशाना साधते हुए एक ट्वीट में कहा कि प्रिय बनर्जी इन पक्षपातपूर्ण लोगों पर घृणा का पर्दा पड़ा है और इन्हें इस बात का ज्ञान नहीं है कि पेशेवर कैसे होते हैं। आप दशकों तक समझाते रहिए पर इन्हें समझा नहीं सकते। आप निश्चिंत रहें लाखों लोगों को आपके काम पर गर्व है। दरअसल बनर्जी ने शनिवार को समाचार चैनल से कहा था कि वाणिज्य मंत्री उनकी दक्षता और कुशलता पर 'सवाल उठा रहे हैं। केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयला ने बनर्जी को नोबेल पुरस्कार के लिए बधाई देते हुए कहा था कि उनकी 'विचारधारा पूरी तरह वाम प्रेरित है और भारत के लोगों ने उनके काम को खारिज कर दिया है। बनर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में शामिल सबसे बड़ी न्याय योजना को तैयार करने में कांग्रेस पार्टी का सहयोग किया था। इस योजना के तहत देश के सबसे गरीब 20 प्रतिशत परिवारों को सालाना 20 हजार रूपये दिये जाने का वादा किया गया था। इन चुनावों में कांग्रेस की करारी हार हुई। भारतीय जनता पार्टी के

नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार की आलोचना करते रहे बनर्जी ने हाल ही में कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था संकट के दौरे से गुजर रही है। बनर्जी को हाल ही में अर्थशास्त्र के लिए नोबेल पुरस्कार के लिए चुना गया है।

प्रदूषण फैलाने वालों की अब खैर नहीं! निगम की विशेष टीमें काट रही धड़ाधड़ चालान

नई दिल्ली(एजेंसी)।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) प्रशासन वायु प्रदूषण रोकने के लिए गठित विशेष टीमों को 24 घंटे सक्रिय रहकर प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। आयुक्त ज्ञानेश भारती ने खुद विशेष टीमों पर नजर रखना शुरू कर दिया है तथा टीमों को प्रतिदिन रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। आयुक्त भारती ने कहा कि प्रदूषण को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आयुक्त ने स्पष्ट तौर पर कहा कि विशेष टीम वायु प्रदूषण फैलाने वाले सरकारी व गैर सरकारी सभी संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई करे। आयुक्त ने अपने आदेश में यह भी कहा कि अपने कार्य में लापरवाही व गलती करने वाले एसडीएमसी कर्मियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई के अलावा उनको निलंबित कर दिया जाएगा। ज्ञानेश भारती ने सभी जोनल उपायुक्तों से कहा कि त्योहार के दिनों में कोई ढील नहीं होनी चाहिए क्योंकि इस मौसम में दमघोंटू वायु प्रदूषण हो जाता है। आयुक्त ने उपायुक्तों से दैनिक रिपोर्ट देने को भी कहा है। उन्होंने कहा कि जिस तेजी से शनिवार को कार्रवाई की गयी है उसी तरह आगे भी की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि कचरा जलाने, निर्मीण स्थलों से धूल प्रदूषण, निर्माण और विध्वंस कचरे, सड़क पर धूल और उद्योगों से वायु प्रदूषण के खिलाफ अलग-अलग टीम ने शनिवार को कुल 108 चालान किए तथा 15 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया। 10 मामलों में जुर्माने की मात्रा अदालत और मेट्रोपोलिटन मेजिस्ट्रेट तय करेंगे। मध्य निगम जोनः दिल्ली गेट व आईपी स्टेट स्थित दिल्ली जल बोर्ड कार्यालय, नेहरू प्लेस स्थित बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड का चालान, 5 लाख रुपए का जुर्माना, प्रगति मैदान के पास एलएंड टी कंस्ट्रक्शन का चालान व 5 लाख का जुर्माना, ओखला स्थित गोदरेज कंनस्ट्रक्शन पर भी 5 लाख का जुर्माना लगाया गया। इसी तरह न्यू फ्रेंडस कालोनी और लाजपत नगर में निर्माण स्थलों पर 82 चालान, इस जोन में 95 फीसदी चालान किए गए। 39 मामलों में अभी जुर्माना लगाने की प्रक्रिया चल रही है।

संपादकीय

कानून एवं व्यवस्था

लखनऊ में हिंदू समाज पार्टी के नेता कमलेश तिवारी की दिन दहाड़े हत्या दहशत फैलाने वाली तो है ही, कानून एवं व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली भी है। उत्तर प्रदेश पुलिस की मानें तो कमलेश तिवारी की हत्या 2015 में दिए गए उनके आपत्तिजनक बयान के कारण हुई। अगर वास्तव में ऐसा है तो इसे एक किस्म की आतंकी कार्रवाई ही कहा जाएगा। हिंदू समाज पार्टी के दफ्तर में कमलेश तिवारी की हत्या पेरिस में एक पत्रिका के दफ्तर में हुए हमले की याद दिलाने वाली है। कमलेश तिवारी के हत्यारों ने यही दहशत भरा संदेश देने की कोशिश की है कि अगर कोई उन्हें ठेस पहुंचाने वाली बातें करेगा तो वे उसे जिंदा नहीं छोड़ेंगे। हिंदू समाज पार्टी का गठन करने के पहले कमलेश तिवारी हिंदू महासभा के नेता के तौर पर भी सक्रिय थे। इसी दौरान पैगंबर साहब को लेकर की गई अपनी एक टिप्पणी के कारण वह न केवल विवादों से घिरे, बल्कि माहौल खराब करने के आरोप में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जेल भी भेजे गए। उसी समय यह साफ हो गया था कि जेल जाने के बाद भी उनकी जान को लेकर जोखिम पैदा हो गया है, क्योंकि कुछ कट्टरपंथी मौलाना-मौलवी सड़कों पर उतर कर उनके सिर पर ईनाम रखने में लगे हुए थे। क्या यह अजीब नहीं कि कमलेश तिवारी के सिर ईनाम रखने वालों से पूछताछ करने की जरूरत अब समझी जा रही है? यह भी एक विडंबना ही रही कि कमलेश तिवारी को तो रासुका के तहत गिरफ्तार किया गया, लेकिन उनका सिर कलम करने की जरूरत जताने वालों का कुछ नहीं बिगड़ा। इससे कानून के शासन का उपहास ही उड़ा। वास्तव में जब भी ऐसा होता है तो कानून के राज को चुनौती देने वालों का दुस्साहस बढ़ता है। अंदेशा यही है कि कमलेश तिवारी की हत्या के पीछे ऐसे ही दुस्साहसी तत्वों का हाथ है। यह कोई छिपी बात नहीं थी कि कमलेश तिवारी की जान को खतरा है। उन्हें लगातार धमकियां मिल रही थीं। गुहार लगाने के बाद उन्हें सुरक्षा तो मिली, लेकिन हत्यारों के आसानी से उन तक पहुंच जाने से यही लगता है कि वह महज खानापूरी करने वाली ही थी। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि पुलिस हत्यारों तक पहुंचने का दावा कर रही है, क्योंकि जरूरी यह है कि उन्हें जल्द से जल्द ऐसी सजा मिले जो हर तरह के उन्मादी तत्वों को सबक सिखाए। आपत्तिजनक बयानों का कोई समर्थन नहीं कर सकता, लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि ऐसे बयान देने वालों की जान के पीछे पड़ जाने वाले तत्वों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने में हीलाहवाली की जाए।

अंदेशा यही है कि कमलेश तिवारी की हत्या के पीछे ऐसे ही दुस्साहसी तत्वों का हाथ है। यह कोई छिपी बात नहीं थी कि कमलेश तिवारी की जान को खतरा है। उन्हें लगातार धमकियां मिल रही थीं। गुहार लगाने के बाद उन्हें सुरक्षा तो मिली, लेकिन हत्यारों के आसानी से उन तक पहुंच जाने से यही लगता है कि वह महज खानापूरी करने वाली ही थी।

मंदिर मार्ग का अगला मोड़

शशि शेखर

यह शायद 2011-12 की बात है। इलाहाबाद से दिल्ली आने के लिए मैंने जब प्रयागराज एक्सप्रेस के अपने डिब्बे में प्रवेश किया, तो सामने एक भद्र वृद्ध व्यक्ति को विराजे पाया। अपने सामान को व्यवस्थित कर ही रहा था, तभी उन्होंने पूछा, मैंने आपको कहीं देखा है? उनकी आंखों में झांकने पर मुझे भी लगा कि हम कहीं मिले तो हैं, पर कहां? इस संशय को उन्होंने ही दूर किया। अपना दायां हाथ आगे बढ़ाते हुए बुजुर्गवार ने परिचय दिया कि मेरा नाम पलोक बसु है। ओह! दादा, मेरे मुंह से अनायास निकला। पलोक दा हाईकोर्ट के माननीय न्यायमूर्ति हो गए थे, पर इलाहाबाद शहर के लोगों से उन्होंने अपना भाईचारा कभी नहीं गंवाया। मैं जब उनसे पहली बार मिला था, तब उनका शुमार शहर के प्रख्यात न्यायविदों और संस्कृतिकर्मियों में होता था। न्यायमूर्ति बसु स्वभाव से इतने गर्मजोश थे कि उन्होंने मुलाकातों के बीच पसरे लंबे अंतराल को कुछ ही पलों में पाट दिया। मैंने उनसे पूछा कि आप किस सिलसिले में दिल्ली जा रहे हैं? जवाब मिला, अयोध्या मसले को सुलझाने की कोशिश कर रहा हूं। इसी सिलसिले में दिल्ली आना-जाना लगा रहता है। उनकी इस बात ने मेरे अंदर के पत्रकार को चौकन्ना कर दिया। मैंने उनसे तमाम सवाल पूछे और उन्होंने हरेक का सिलसिलेवार जवाब दिया। पलोक दा आश्वस्त थे कि इस लंबे विवाद का हल बहुत जल्दी निकल आएगा। आज न्यायमूर्ति बसु हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका आशावाद इतने बरस बीत जाने के बाद भी बेसाख्ता याद आता है। इस अनायास मुलाकात के हफ्ते भर बाद लुटियंस दिल्ली के एक जमावड़े में मैंने उनसे हुई बातचीत का जिक्र छेड़ा। तमाम पक्ष और विपक्ष के सांसद वहां मौजूद थे। लगभग सभी की राय थी कि ऐसा होना संभव नहीं। वजह? मामला राजनीतिक हो चुका है। राजनीतिज्ञ लोगों की 'राजनीति' पर इससे अधिक दिलचस्प टिप्पणी नहीं हो सकती। हम सब जानते हैं कि अयोध्या का मामला धार्मिक आस्था से भले ही शुरू हुआ हो, परंतु उस पर शुरू से सियासत की स्याह छाया मंडराती रही है। अगर बाबर के सिपहसालार मीर बाकी ने मंदिर को सचमुच ध्वंस किया था, तो उसका कारण धार्मिक से ज्यादा राजनीतिक था। मध्यकाल में पुजारीगुरों को नुकसान जनता का मनोबल तोड़ने के लिए पहुंचाया गया, यह एक जाना-पहचाना सच है। इतिहास के सीले कपाटों को खोलने की बजाय मैं मौजूदा वक्त के एक निर्णायक मुकाम से बात शुरू करना चाहूंगा। वर्ष 1986 में फैजाबाद के जिला जज ने मंदिर का ताला खोलकर हिंदुओं को पूजा करने की इजाजत दे दी थी। इस फैसले की नींव 1949 में ही उस समय रख दी गई थी, जब 22-23 दिसंबर की रात विवादित परिसर में राम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियां 'प्रकट' हो गई थीं। कुछ ही समय में इस संपत्ति को कुर्क कर रिसीवर तैनात कर दिया गया था। आप चाहें, तो याद कर सकते हैं, 1949 में पंडित जवाहरलाल नेहरू और 1986 में राजीव गांधी देश के प्रधानमंत्री हुआ करते थे। इस मामले में दूसरा फैसलाकुन मोड़ सितंबर 1990 में आया, जब लालकृष्ण आडवाणी अपनी मशहूर 'रथयात्रा' पर निकले। 23 अक्तूबर को बिहार के समस्तीपुर में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में यह तारीख हमेशा महत्वपूर्ण मानी जाएगी। इसके बाद देश भर में जैसी प्रतिक्रिया हुई, उससे तय हो गया कि अब मामला मंदिर-मस्जिद से आगे बढ़कर सरकारों को बनाने और बिगाड़ने का बन चुका है। ऐसा नहीं है कि महज कांग्रेस और भाजपा इस खेल में शामिल रहे हैं। इसका फायदा सूबाई क्षत्रपों को भी मिला है। आडवाणी की गिरफ्तारी के आदेश लालू यादव ने दिए थे। उस दौरान उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह मुख्यमंत्री हुआ करते थे। मुलायम के वक्त में ही फैजाबाद में पुलिस ने गोली चलाई थी, जिसमें करीब दस लोग मारे गए थे। बरसों बीत गए, पर आज भी बिहार में लालू यादव और उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह अल्पसंख्यक मतदाताओं के मन पर राज करते हैं। नवंबर 1990 के बाद उत्तर भारत के सामाजिक ढांचे में जैसा कंपन हुआ, वह वैसा ही था, जैसे भीषण भूकंप आने से पहले धरती अंदर ही अंदर डोल रही होती है, पर उसके ऊपर रह रहे लोगों को इसका आभास नहीं होता। इस जानलेवा जलजले का प्राकट्य छह दिसंबर, 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद ध्वंस के साथ हुआ। इसके बाद हुए देशव्यापी दंगों में लगभग दो हजार लोग मारे गए और करोड़ों की संपत्ति स्वाहा हो गई। बताने की जरूरत नहीं कि राजनीतिज्ञों के लिए जो हालात वरदान साबित होते हैं, उन्हें अभिशप्त आम आदमी अपने खून-पसीने से सींचता है। वह दौर बीत चुका। अब देश की आला अदालत को इस मामले पर फैसला सुनाना है। इंतजार की ये अंतिम घड़ियां अधीर करने वाली हैं, पर भारतीय मनीषा के सामने एक शानदार अवसर भी उपस्थित हुआ है। विवादों पर निर्णय सुनाना अदालतों का कर्तव्य है और इन फैसलों पर अमल करना आम नागरिक का दायित्व। आला अदालत का आदेश किसी एक पक्ष को खुश कर सकता है, तो दूसरे को नाखुश। 21वीं शताब्दी जी रहे हिन्दुस्तानियों के सामने यह अवसर है, जब वे आने वाली पीढ़ियों को संदेश दे सकें कि सह-अस्तित्व की भावना हमारी रगों में बहती है। इस बीच सुलह के प्रयासों की भी चर्चा है। तय मानिए, समझौते का तो कोई विकल्प हो ही नहीं सकता। इसके कुछ शानदार उदाहरण हमारे अतीत में छिपे हैं। आपको इतिहास के गुमनाम पन्नों में खोई एक अद्भुत दास्तां से रूबरू करता हूं। गुरु हरगोबिंद सिंह ने 1634 में मुगलों को लड़ाई में परास्त करने के बाद स्थानीय मुसलमानों के लिए एक मस्जिद बनवाई थी। आजादी के बाद मस्जिद निहंग सिखों के हाथों में आ गई। दशकों तक निहंगों ने वहां गुरुग्रंथ साहिब का प्रकाश किया, लेकिन आठ फरवरी, 2001 को उन्होंने बाकायदा एक सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर के जरिए उसे मुसलमानों को फिर सौंप दिया। अब गुरु की मसीत में अजान होती है और नमाज पढ़ी जाती है। अगर श्रीहरगोबिंदपुर में सह-अस्तित्व का भाव मुखरित हो सकता है, तो अयोध्या में क्यों नहीं?

आज के ट्वीट

अहसास

अस्तित्व मिटाने की लड़ाई बर्बरता और असभ्यता की निशानी है, दुनिया आधुनिक युग में है परंतु मध्ययुगीन सोच से लदे लोग इसे आधुनिक और निश्चित होने का अहसास नहीं होने देते हैं।

राकेश सिन्हा, राज्य सभा सांसद

ज्ञान गंगा

मन

जब किसी व्यक्ति का दुर्घटना में चेहरा विकृत हो जाता है तो उसकी सर्जरी करके उसे एक नया रूप व जीवन दिया जाता है, ताकि वह पहले जैसा स्वस्थ और सुंदर दिखने लगे। होता भी ऐसा ही है। इसी तरह सर्जरी हमारे मन की भी होती है। शारीरिक सर्जरी जहां डॉक्टर करते हैं वहीं मानसिक सर्जरी मनोचिकित्सक के साथ-साथ व्यक्ति स्वयं कर सकता है। लेखक मैक्सवेल मॉल्ट्ज ने प्रसिद्ध पुस्तक 'साइको साइबरनेटिक्स' में लिखा है कि 'पुराने भावनात्मक निशानों को हटाने वाला ऑपरेशन केवल आप ही कर सकते हैं। आपको स्वयं अपना प्लास्टिक सर्जन बनना होगा। परिणाम होगा नया जीवन, नई स्फूर्ति, नई मानसिक शांति और सुख। भावनात्मक निशानों या मन की चोटों का इलाज दवाओं या डॉक्टर के माध्यम से नहीं किया जा सकता। जिस तरह सर्जरी के लिए उपकरणों की आवश्यकता होती है उसी तरह मानसिक सर्जरी के लिए भी क्षमा, आत्मसम्मान, ईमानदारी, करुणा, प्रेम और आत्मविश्वास जैसे उपकरणों की आवश्यकता पड़ती है। खुशी की बात यह है कि ये उपकरण हर व्यक्ति के पास हैं, बस वे इनका इस्तेमाल करने में कभी-कभी देर कर देते हैं जिससे मन का घाव बढ़ता जाता है। कई लोगों को तो मानसिक चोट मृत्यु के मुंह पहुंचा देती है। यदि शारीरिक बीमारी का इलाज समय पर न किया जाए तो व्यक्ति अपंग हो जाता है और कई बार तो असमय ही मृत्यु का ग्रास भी बन जाता है। उसी तरह यदि मन में बैठे अवसाद के लिए मानसिक सर्जरी न की जाए तो व्यक्ति मानसिक रूप से पागल हो जाता है और कई बार मानसिक पीड़ा इतनी अधिक बढ़ जाती है कि इसके कारण व्यक्ति की हालत मौत से भी बदतर हो जाती है। इसलिए व्यक्ति को स्वयं ही मानसिक घावों को धोने के लिए मानसिक सर्जरी करने का स्वयं प्रयास करना चाहिए। सबसे बड़ी बात यह है कि जिस तरह शरीर की सर्जरी करने के लिए एक कुशल डॉक्टर की आवश्यकता होती है उसी तरह मानसिक सर्जरी करने के लिए किसी कुशल डॉक्टर की नहीं, बल्कि व्यक्ति के सकारात्मक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। सकारात्मक दृष्टिकोण हर व्यक्ति विकसित कर सकता है। वैसे भी जीवन में सुख और दुख दोनों ही होते हैं।।

[रेनू सैनी]

आज का राशिफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सान्निध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सान्निध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

आज जहां हूं, उसी शिक्षक की बदौलत हूं

टबैटा अमारल (ब्राजीलियाई राजनेता),नई दिल्ली।

बीते सोमवार को ही उन्होंने अपनी 25वीं सालगिरह मनाई है, मगर इस छोटी-सी उम्र में वह एक प्रतिष्ठित मुकाम पर हैं। टबैटा अमारल अपने मुल्क की सबसे युवा सांसद हैं। वह किसी रसूखदार सियासी खानदान से नहीं आतीं, और न ही किसी जमींदार घराने से उनका कोई ताल्लुक है। उनका जन्म तो साओ पाउलो के एक बेहद गरीब इलाके में हुआ था। मां घरेलू महिला थीं, और पिता बस में सहायक का काम करते थे। टबैटा का एक छोटा भाई भी है। बड़ी मुश्किल से परिवार का गुजारा हो पाता था। जाहिर है, माता-पिता चाहकर भी अपने बच्चों को निजी स्कूल में दाखिला नहीं दिला सकते थे। करीब का सरकारी स्कूल ही उन जैसे बच्चों का ठिकाना बनता है, सो उनका भी बना। ब्राजील में भी सरकारी स्कूलों की हालत बहुत अच्छी नहीं है। बहरहाल, टबैटा पढ़ने-लिखने में काफी होशियार थीं और उनकी जहानत से एक शिक्षक बेहद प्रभावित थे। वह न सिर्फ पढ़ाई में उनकी मदद करते, बल्कि उन्हें तरह-तरह से प्रेरित-प्रोत्साहित करते रहते। टबैटा जब पांचवीं कक्षा में थीं। उनके शिक्षक ने उन्हें 'ब्राजीलियन पब्लिक स्कूल मैथेमेटिक्स ओलंपियाड' में भाग लेने के लिए कहा। इस प्रतियोगिता की तैयारी में उन्होंने टबैटा की खूब मदद की। किसी प्रतियोगिता में पहली बार उतरी इस प्रतिभाशाली किशोरी ने पहले प्रयास में ही सिल्वर मेडल जीता। टबैटा को एक निजी स्कूल की स्कॉलरशिप भी मिल गई। उन पलों को याद करते हुए वह कुछ भावुक हो जाती हैं, 'मेरे परिवार के किसी सदस्य ने हाईस्कूल का मुंह नहीं देखा। मैं भी अपने आस-पास की लड़कियों की तरह कशीदाकारी करती हुई बड़ी हुई और यही सोचती थी कि भविष्य में मुझे यही करना है। यह पहली बार था, जब किसी ने मुझे एहसास कराया कि आने वाले दिनों में मैं क्या कुछ कर सकूंगी, मेरा पेशा क्या होगा। स्कूल में पढ़ते हुए मैंने पहली बार अपने भविष्य के सपने देखे। ऐसे सपने, जिन्हें पहले किसी ने मेरे लिए नहीं देखे।' निजी स्कूल में पढ़ते हुए टबैटा ने पाया कि सरकारी स्कूल और यहां की शिक्षा की गुणवत्ता के बीच चौड़ी खाई है। इस फर्क ने उन्हें एहसास कराया कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे क्यों बड़े सपने नहीं देख पाते। उसी समय उनके मन में इस विषमता से लड़ने का बीज पड़ गया था। आने वाले दिनों में टबैटा ने पांच विज्ञान ओलंपियाड में ब्राजील का नेतृत्व किया। टबैटा इतनी प्रतिभाशाली थीं कि 2012 में अमेरिका की छह प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटियों ने उन्हें अपने यहां से ग्रेजुएशन करने के लिए स्कॉलरशिप देने का प्रस्ताव किया, आखिरकार वह हॉर्वर्ड यूनिवर्सिटी पहुंचीं। हॉर्वर्ड डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट से उन्होंने राजनीति-विज्ञान में स्नातक की डिग्री हासिल की और फिर वहीं से एस्ट्रो-फीजिक्स में भी डिग्री ली। अपने शोध अध्ययन को उन्होंने ब्राजील की शिक्षा-व्यवस्था पर केंद्रित रखा, जिसमें यह दिखाया कि ब्राजील सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में जो केंद्रीय सुधारवादी कदम उठाए, उनके कारण पिछले दो दशकों में इसका विस्तार तो काफी हुआ, मगर म्युनिसिपल स्कूलों की गुणवत्ता खराब स्थिति में ही रही। ग्रेजुएशन करने के बाद टबैटा सामाजिक कार्यों के लिए ब्राजील लौट आईं। दरअसल, जिस पृष्ठभूमि में उनकी परवरिश हुई थी, वह उन्हें हमेशा याद दिलाता रहा कि सपने देखने का समान हक सबको मिलना चाहिए। वह बड़े सपने इसलिए देख सकीं, क्योंकि उन्हें मौके मिलते गए। सभी गरीबों, सरकारी स्कूलों के बच्चों को वही ख्वाब देखने और उसे सच बनाने का बराबर मौका मिलना चाहिए। टबैटा जानती थीं कि इसके लिए सियासत में उतरना पड़ेगा, क्योंकि असली बीमारी तो ब्राजील की सामाजिक-आर्थिक विषमता है। उन्होंने साथियों के साथ जनता के बीच से 'आक्रोजितो' आंदोलन की शुरुआत की। आक्रोजितो यानी 'मुझे यकीन है।' टबैटा कहती हैं, 'हम चाहते हैं कि लोग राजनीति में फिर से भरोसा करें। वे संवादों में शामिल हों। हम एक ऐसा ब्राजील बनाना चाहते हैं, जिसमें सबके लिए समान अवसर हों, ताकि वे एक गरिमामय जिंदगी जी सकें। हमारा सपना एक ऐसी नेशनल कांग्रेस (संसद) है, जिसमें और ज्यादा स्त्रियां, और ज्यादा अश्वेत, और ज्यादा मूल निवासी, और ज्यादा समलैंगिक शामिल हों।' पिछले साल ब्राजील में आम चुनाव हुए, टबैटा ने डेमोक्रेटिक लेबर पार्टी के टिकट पर मैदान में उतरने का फैसला किया। उन्होंने शिक्षा में असमानता को अपना प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया। नतीजा उनके हक में आया। वह साओ पाउलो सूबे से रिकॉर्ड मतों से विजयी रहीं। टबैटा कहती हैं कि मुझे इस बात का फख्र नहीं कि मैं सबसे कमउम्र सांसद हूं, गर्व तब होगा, जब मैं अपने जैसे लोगों को ऊपर उठा सकूंगी। बीबीसी ने उन्हें इस वर्ष दुनिया की 100 प्रभावशाली महिलाओं में शुमार किया है। टबैटा अमारल आज न सिर्फ ब्राजील की गरीब लड़कियों का प्रतिनिधि चरित्र हैं, बल्कि उन पर तो दुनिया की हर झोंपड़ी नाज करेगी। प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

इंटरकनेक्शन शुल्क पर जियो ने कहा- ट्राई की समीक्षा पीएम मोदी के डिजिटल इंडिया मुहिम के खिलाफ

नई दिल्ली(एजेंसी)।

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस जियो ने कहा है कि ट्राई द्वारा इंटरकनेक्शन प्रयोगकर्ता शुल्क (आईयूसी) की समीक्षा गरीब विरोधी है और यह प्रधानमंत्री की डिजिटल भारत की सोच के खिलाफ है। जियो ने आईयूसी को खत्म करने की समयसीमा से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ को मनमाना, प्रौद्योगिकी विरोधी, कानूनी रूप से कमजोर, अनुचित और गरीब विरोधी करार दिया। ट्राई पर निशाना साधते हुए जियो ने कहा कि आईयूसी पर उसके रवैये से नियामक की विश्वसनीयता पर असर पड़ेगा। साथ ही दूरसंचार क्षेत्र के निवेशकों का भरोसा भी डगमगाएगा। इस बारे में ट्राई के परिचर्चा पत्र पर अपने जवाब में जियो ने दावा किया कि एक जनवरी, 2020 की क्रियान्वयन की तारीख में किसी तरह के बदलाव से मुफ्त कॉल का दौर समाप्त हो जाएगा और शुल्कों में इजाफा होगा। यह उपभोक्ता हित में नहीं होगा। किसी दूसरी कंपनी के नेटवर्क पर अपने ग्राहक के कॉल को पूरा करने के लिए दूरसंचार ऑपरेटर को भुगतान करना पड़ता है। इसमे प्रतिद्वंद्वी नेटवर्क को आईयूसी देना पड़ता है जो फिलहाल छह पैसे प्रति मिनट है। ट्राई द्वारा आईयूसी को समाप्त करने की समयसीमा को जनवरी, 2020 से आगे बढ़ाने के लिए समीक्षा की जा रही है। इस वजह से जियो ने अपने ग्राहकों पर छह पैसे प्रति मिनट का शुल्क लगा दिया है। जियो ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के मुताबिक डिजिटल ढांचा देश के हर नागरिक का हक है। कुछ दूरसंचार ऑपरेटर चाहते हैं कि पुराना पड़ चुका 2जी का नेटवर्क सदा बना रहे। और देश के 47 करोड़ से ज्यादा ग्राहक जो 2जी नेटवर्क से जुड़े हैं डिजिटल क्रांति के लाभ से वंचित रह जाएं। जियो ने कहा कि ट्राई द्वारा इस पर परिचर्चा पत्र जारी करना इन आपरेटरों के निहित स्वार्थों को बचाने का प्रयास है। जियो ने कहा कि कुछ ऑपरेटरों को इसकी जानकारी दी। सीआईआई ने कहा कि उसने पंजाब में लुधियाना, बरनाला और पाटियाला जिलों तथा हरियाणा में रोहतक, सिरसा और फतेहाबाद जिलों को गोद लिया है। उसका लक्ष्य इन जिलों में पराली जलाने की घटानाओं को समाप्त करना है। उसने कहा कि पराली जलाने की समस्या के संभव समाधानों के कि यान्वयन के लिए एक पारिस्थितिकी तैयार की गई है। इसके तहत विशेषज्ञों, कॉरपोरेट, राज्य सरकारों, ग्रामीण समुदायों और कृषक समूहों समेत विभिन्न संबंधित पक्षों को एक साथ लाया जाएगा। उद्योग मंडल ने कहा कि वह 15 हजार से अधिक किसानों को कृषि उपकरण, तकनीकी प्रशिक्षण मुहैया करा रहा है और पंजाब तथा हरियाणा के गोद लिए गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सीआईआई ने कहा कि इस मुहिम में उसके साथ पंजाब के तीन हजार से अधिक विद्यार्थी, युवा और कॉरपोरेट स्वयंसेवी जुड़ रहे हैं। सीआईआई ने कहा कि इनमें से कई किसानों ने पहली बार पराली जलाने की वैकल्पिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, ''सीआईआई की 'स्वच्छ वायु, बेहतर जीवन मुहिम पराली जलाने की घटना को समाप्त करने में किसानों की मदद करने के लिए सक्षम समाधानों का क्रियान्वयन कर रही है। पिछले साल हमने 19 गांवों में प्रायोगिक तौर पर इस मुहिम की शुरुआत की थी, जिसे अब 100 गांवों तक विस्तार दिया गया है।

सीआईआई ने पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण को रोकने को पंजाब, हरियाणा में 100 गांवों को गोद लिया

नई दिल्ली(एजेंसी)।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने उत्तर भारत में विशेषकर सर्दियों के दौरान प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए पंजाब और हरियाणा में 100 गांवों तथा एक लाख एकड़ खेत को गोद लिया है। सीआईआई ने रविवार को इसकी जानकारी दी। सीआईआई ने कहा कि उसने पंजाब में लुधियाना, बरनाला और पाटियाला जिलों तथा हरियाणा में रोहतक, सिरसा और फतेहाबाद जिलों को गोद लिया है। उसका लक्ष्य इन जिलों में पराली जलाने की घटानाओं को समाप्त करना है। उसने कहा कि पराली जलाने की समस्या के संभव समाधानों के कि यान्वयन के लिए एक पारिस्थितिकी तैयार की गई है। इसके तहत विशेषज्ञों, कॉरपोरेट, राज्य सरकारों, ग्रामीण समुदायों और कृषक समूहों समेत विभिन्न संबंधित पक्षों को एक साथ लाया जाएगा। उद्योग मंडल ने कहा कि वह 15 हजार से अधिक किसानों को कृषि उपकरण, तकनीकी प्रशिक्षण मुहैया करा रहा है और पंजाब तथा हरियाणा के गोद लिए गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। सीआईआई ने कहा कि इनमें से कई किसानों ने पहली बार पराली जलाने की वैकल्पिक प्रौद्योगिकी को अपनाया है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, ''सीआईआई की 'स्वच्छ वायु, बेहतर जीवन मुहिम पराली जलाने की घटना को समाप्त करने में किसानों की मदद करने के लिए सक्षम समाधानों का क्रियान्वयन कर रही है। पिछले साल हमने 19 गांवों में प्रायोगिक तौर पर इस मुहिम की शुरुआत की थी, जिसे अब 100 गांवों तक विस्तार दिया गया है।

पहली छमाही में दोपहिया निर्यात चार प्रतिशत बढ़कर 17.93 लाख इकाई पर

नई दिल्ली(एजेंसी)।

देश का दोपहिया वाहनों का निर्यात चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर की छमाही में चार प्रतिशत बढ़ गया। इस दौरान सबसे अधिक निर्यात बजाज आटो का रहा। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के अनुसार पहली छमाही में बजाज आटो ने अफ्रीका और लातिनी अमेरिका सहित विभिन्न बाजारों को नौ लाख इकाइयों का निर्यात किया। आंकड़ों के अनुसार पहली छमाही में दोपहिया (मोटरसाइकिल, स्कूटर और मोपेड) का निर्यात 17,93,957 इकाई रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 17,23,280 इकाई था। समीक्षाधीन अवधि में स्कूटरों का निर्यात 10.87 प्रतिशत घटकर 2,01,277 इकाई रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2,25,821 इकाई था। मोटरसाइकिलों का निर्यात इस दौरान 6.81 प्रतिशत बढ़कर 15,85,338 इकाई पर पहुंच गया, जो इससे पिछले साल की समान अवधि में 14,84,252 इकाई रहा था। वहीं दूसरी ओर मोपेड का निर्यात 44.41 प्रतिशत घटकर 7,342 इकाई रह गया जो एक साल पहले समान अवधि में 13,207 इकाई रहा था। पुणे की कंपनी बजाज आटो का निर्यात 7.5 प्रतिशत बढ़कर 9,34,581 इकाई पर पहुंच गया। टीवीएस मोटर कंपनी का निर्यात 6.24 प्रतिशत बढ़कर 3,43,337 इकाई और होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया का निर्यात 23.09 प्रतिशत घटकर 1,74,469 इकाई रहा। इंडिया यामाहा मोटर का निर्यात 21.38 प्रतिशत बढ़कर 1,56,058 इकाई रहा। घरेलू बाजार की अग्रणी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प का निर्यात 12 प्रतिशत घटकर 92,823 इकाई रहा। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया का निर्यात 35.61 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 54,372 इकाई पर पहुंच गया।

डीजल के दाम में लगातार तीसरे दिन राहत, पेट्रोल का भाव स्थिर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

डीजल के दाम में रविवार को लगातार तीसरे दिन कटौती किए जाने से उपभोक्ताओं को राहत मिली, जबकि पेट्रोल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई में डीजल फिर सात पैसे प्रति लीटर सस्ता हो गया है जबकि मुंबई में डीजल का भाव आठ पैसे प्रति लीटर कम हो गया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम पूर्ववत क्रमश= 73.27 रुपये, 75.92 रुपये, 78.88 रुपये और 76.09 रुपये प्रति लीटर रहे जबकि चारों महानगरों में डीजल के दाम घटकर क्रमशः 66.17 रुपये, 68.53 रुपये, 69.35 रुपये और 69.89 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। उधर, वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती के कारण कच्चे तेल की मांग कमजोर पड़ गई है, जिससे इसकी कीमतों में नरमी का रुख बना हुआ है। बीते करीब एक पखवाड़े से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव सीमित दायरे में रहा है। बीते दो सप्ताह के दौरान बेंचमार्क कच्चा तेल ब्रेंट क्रूड में 57 स 61 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहा है। अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज यानी आईसीई पर ब्रेंट क्रूड का दिसंबर अनुबंध शुक्रवार को 1.03 फीसदी की कमजोरी के साथ 59.29 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

पहली बार पौने 3 घंटे लेट हुई तेजस एक्सप्रेस, यात्रियों को मिलेगा मुआवजा

नेशनल डेस्क। नई दिल्ली जाने वाली 82501 तेजस एक्सप्रेस पहली बार पौने 3 घंटे लेट हो गई। ऐसे में आईआरसीटीसी ने वादे के मुताबिक यात्रियों को मुआवजा दिलवाने का फैसला किया है। दरअसल लखनऊ जंक्शन पर गुरुवार रात कृषक एक्सप्रेस के दो कोच डिरेल होने से शुक्रवार सुबह तक ट्रेनों का संचालन अस्त-व्यस्त हो गया, जिस कारण से तेजस लेट हो गई। वहीं, डिरेलमेंट के कारण कृषक एक्सप्रेस 10 घंटे लेट हुआ। इसके अलावा लखनऊ मेल, पुष्पक एक्सप्रेस व चंडीगढ़ एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें लेट भी लेट हुईं। आईआरसीटीसी के चीफ रीजनल मैनेजर अश्विनी श्रीवास्तव ने बताया कि कृषक एक्सप्रेस के डिरेलमेंट के कारण लखनऊ जंक्शन से यह ट्रेन पौने तीन घंटे देरी से रवाना हुई। वहीं दिल्ली पहुंचते-पहुंचते यह सवा तीन घंटे लेट हो गई। वापसी में भी यह ट्रेन नई दिल्ली से करीब दो घंटे लेट रवाना हुई। उन्होंने कहा कि ऐसे में आईआरसीटीसी अपने वादे के अनुसार यात्रियों को बीमा कंपनी से 250-250 रुपए मुआवजा दिलाएगी। आईआरसीटीसी ने इसके लिए सभी यात्रियों के मोबाइल नंबर पर लिंक भेज दिया है। इस लिंक पर यात्री क्लेम के लिए दावा कर सकते हैं। दावा मिलने पर इंश्योरेंस कंपनी क्लेम का भुगतान करेगी

एचडीएफसी बैंक का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 25 प्रतिशत बढ़कर 6,638 करोड़ रुपए

नई दिल्ली(एजेंसी)।

एचडीएफसी बैंक का एकीकृत शुद्ध लाभ 30 सितंबर 2019 को समाप्त दूसरी तिमाही में 24.7 प्रतिशत बढ़कर 6,638.03 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले की जुलाई - सितंबर अवधि में बैंक का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 5,322.41 करोड़ रुपए था। एचडीएफसी बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी कुल एकीकृत आय बढ़कर 36,130.96 करोड़ रुपए हो गई , जो कि एक साल पहले की दूसरी तिमाही में 30,124.49 करोड़ रुपए थी। बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान उसका कर्ज (अग्रिम) 19.1 प्रतिशत बढ़कर 9,47,440 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 7,95,563 करोड़ रुपए था। एकल आधार पर , बैंक का शुद्ध लाभ जुलाई - सितंबर तिमाही में 6,344.99 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की इसी अवधि में उसका शुद्ध लाभ 5,005.73 करोड़ रुपए था। इस दौरान बैंक की कुल एकल आय 28,215.15 करोड़ रुपए से 33,755 करोड़ रुपए हो गई। सितंबर 2019 के अंत में बैंक का सकल एनपीए बढ़कर 1.38 प्रतिशत हो गया , जो कि सितंबर 2018 के अंत में 1.33 प्रतिशत पर था। मूल्य के आधार पर सकल एनपीए तिमाही के दौरान बढ़कर 12,508.15 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 10,097.73 करोड़ रुपए पर था। शुद्ध एनपीए 0.42 प्रतिशत (3,790.95 करोड़ रुपए) पर रहा। बैंक ने कहा कि दूसरी तिमाही के लिए फंसे कर्ज और आकस्मिक व्यय के लिए उसने 2,700.68 करोड़ रुपए का प्रावधान किया। एक साल पहले की इसी तिमाही में यह आंकड़ा 1,819.96 करोड़ रुपए था। बैंक के बहीखाते का कुल आकार इस साल 30 सितंबर तक 13,25,072 करोड़ रुपए का रहा।

पीएमसी बैंक: पीड़ितों ने कहा- घोटाले से मतदान पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली(एजेंसी)।

पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव (क्कष्ट) बैंक में हुए घोटाले का असर महाराष्ट्र चुनाव पर देखा जा सकता है। बैंक घोटाले में मुलुंड कॉलोनी के लोग भी प्रभावित हुए है। दरअसल, इस इलाके में पीएमसी बैंक के लगभग 15,000 खाताधारक हैं। एक न्यूज चैनल ने इस क्षेत्र का दौरा किया ताकि पता लगाया जा सके कि निकासी पर प्रतिबंध के कारण लोगों का जीवन कैसे प्रभावित हुआ है। वहीं यहां के लोगों से बातचीत के बाद पीड़ित लोगों का कहना है कि पीएमसी बैंक का मामला महाराष्ट्र चुनाव में मतदान को प्रभावित कर सकता है। कॉलोनी के निवासी और जनरल स्टोर की दुकान चलाने वाले 44 वर्षीय दिलीप गुप्ता ने बताया कि उनके परिवार के चार खाते पीएमसी बैंक में हैं। उन्होंने कहा कि मेरे 66 वर्षीय पिता की जीवनभर की कमाई बैंक में है। गुप्ता ने कहा कि बैंक के बोर्ड में राजनीतिक दलों से जुड़े नेता भी हैं। हमारी मदद न करने के लिए वे भी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि हम नोटा दबाएंगे। गिरीश किराना स्टोर चलाने वाले गिरीश पटेल ने कहा कि दिवाली का समय है लेकिन लोगों के पास खरीदारी करने के लिए पैसे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस समय तक हमारी दुकान में भीड़ रहा करती थी। पटेल ने कहा कि पीएमसी बैंक में हमारा भी चालू खाता है। बैंक के कर्मचारी सौहार्दपूर्ण थे और उन्होंने हमारी मदद की। उन्हें उसके लिए भुगतना पड़ रहा है, जो उनके उच्चाधिकारियों ने किया। पीएमसी बैंक पर अब उसके ग्राहकों को भरोसा नहीं रहा। 60 वर्षीय कलविंदर कौर बताती हैं कि अपनी बेटी की शादी के लिए पीएमसी बैंक में 9.5 लाख की फिक्स्ड डिपॉजिट की थी। नवंबर में शादी होनी है, लेकिन बैंक में जमा पैसे मिलेंगे या नहीं, यह भरोसा नहीं। उन्होंने बेटी की कलाई दिखाते हुए कहा कि उसने तनाव में आत्महत्या का भी प्रयास किया। बैंक से पैसे वापस नहीं मिले तो उसकी शादी कैसे होगी, यही चिंता सताए जा रही है। कुलविंदर ने कहा कि बैंक मुझसे मदद के लिए गुरुद्वारा जाने के लिए कह रहा है। एजेंट निकासी की सुविधा के लिए 10000 रुपए मांग रहा था। हमें अब उस बैंक पर भरोसा नहीं है।

पंजाब में जियो का दबदबा बरकरार, 1.27 करोड़ ग्राहकों के साथ सबसे आगे

चंडीगढ़/जालंधर। रिलायंस जियो 1.27 करोड़ ग्राहकों के उच्चतम ग्राहक आधार के साथ पंजाब में निर्विवाद रूप से मार्किट लीडर बना हुआ है और हर महीने अपना ग्राहक आधार बढ़ा रहा है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा जारी किए गए नवीनतम दूरसंचार सब्सक्रिशन आंकड़ों के अनुसार जियो लगातार पंजाब में अपना दबदबा बनाए हुए है। पंजाब में अपने सबसे बड़े टू 4जी नेटवर्क के कारण राज्य के युवाओं की पहली पसंद होने के कारण और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जियोफोन की सफलता के साथ बड़ी संख्या में अपनाए जाने के चलते जियो ने अगस्त महीने में ही करीब सवा लाख नए ग्राहक जोड़े हैं। पंजाब सर्किल में पंजाब के साथ चंडीगढ़ और पंचकूला भी शामिल हैं।ट्राई की रिपोर्ट के अनुसार 31 अगस्त 2019 तक, जियो पंजाब में 1.27 करोड़ ग्राहकों के साथ सबसे पसंदीदा और अग्रणी टेलिकॉम ऑपरेटर है, जिसके बाद वोडाफोन, आइडिया 1.12 करोड़ ग्राहकों के साथ दूसरे नंबर पर, करीब 1 करोड़ ग्राहकों के साथ एयरटेल तीसरे नंबर पर और बीएसएनएल 55 लाख ग्राहकों के साथ चौथे नंबर पर है। ट्राई की नवीनतम रिपोर्ट्स के अनुसार जियो अब पंजाब में व्यापक तौर पर मार्किट लीडर है, जिसके पास टेलिकॉम प्रदर्शन अर्थात रेवेन्यू मार्किट शेयर (आरएमएस) और कस्टमर मार्किट शेयर (सीएमएस), दोनों प्रमुख मापदंडों में शीर्ष स्थान है। इस साल जनवरी में पहले ग्राहक बाजार हिस्सेदारी (सीएमएस) में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के बाद रिलायंस जियो ने रेवेन्यू मार्किट शेयर (आरएमएस) में भी सभी टेलीकॉम कंपनियों को पीछे छोड़ दिया है। कंपनी के अनुसार पंजाब में जियो की तेज ग्रोथ में योगदान देने वाला एक प्रमुख कारक इसका मजबूत और सबसे बड़ा टू 4जी नेटवर्क है। यह राज्य में पारंपरिक 2जी, 3जी या 4जी नेटवर्क से भी बड़ा है और पंजाब के कुल डेटा ट्रैफिक को दो तिहाई से अधिक वहन करता है।

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सीतारमण ने दी चेतावनी, कहा- 'लिब्रा' को लेकर सतर्क रहे देश

नई दिल्ली(एजेंसी)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर चेतावनी दी है। सीतारमण ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्वबैंक की वार्षिक बैठक में फेसबुक की प्रस्तावित क्रिप्टोकरेंसी 'लिब्रा' को लेकर चली चर्चा के बीच यह टिप्पणी की। उनसे पहले रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी क्रिप्टोकरेंसी पर अपनी राय रखी। सीतारमण ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, ''हमारी ओर से रिजर्व बैंक के गवर्नर इस बारे में बोल चुके हैं। मुझे ऐसा महसूस हुआ कि कई सारे देश क्रिप्टोकरेंसी अपनाने को लेकर सतर्क हैं।'' सीतारमण ने कहा कि उनमें से कुछ देशों ने कहा कि हममें से किसी को क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिये। कुछ देशों ने तो यहां तक कहा कि इसे स्थिर मुद्रा भी नहीं कहा जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विभिन्न लोगों ने तीन या चार अलग अलग नामों का सुझाव दिया, लेकिन कुल मिलाकर यही रहा कि इसबारे में कुछ कहे जाने या किये जाने से पहले सभी देश बेहद सतर्कता बरत रहे हैं। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलीना जॉर्जिवा ने कहा कि डिजिटल मुद्रा के फायदे और इसके जोखिमों के बारे में चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा, ''हमें इस चीज का इंतजार नहीं करना चाहिए कि आर्थिक नरमी गंभीर बन जाए।'' उन्होंने आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक की विकास समिति की दोपहर के भोज के समय हुई चर्चा में भी हिस्सा लिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि वह ऐसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए खाका तैयार करेंगी जो चीन से आगे भारत को निवेश गंतव्य के रूप में देख रही हैं। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत के ऐसे दिग्गज जो अपने कारोबार को चीन से बाहर ले जाना चाहते हैं, वे निश्चित रूप से भारत की ओर देख रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा, भारत के लिए जरूरी हो जाता है कि वह इन कंपनियों से मिले और उन्हें अपने यहां आमंत्रित करे। सीतारमण ने कहा, ''निश्चित रूप में मैं ऐसा करूंगी। मैं ऐसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की पहचान करूंगी, सभी अमेरिकी कंपनियों या किसी अन्य यूरोपीय देश की कंपनी या ब्रिटिश कंपनी जो चीन से निकलना चाहती है, मैं उनसे संपर्क करूंगी और भारत को निवेश के तरजीही गंतव्य के रूप में पेश करूंगी। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की कोटा संरचना को बढ़ाने में समर्थन की कमी को लेकर शनिवार को निराशा जाहिर की। आईएमएफ कोटा उसके कोष का मुख्य स्रोत है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आईएमएफ की सालाना बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ''भारत कोटा की 15वीं आम समीक्षा के तहत कोटा बढ़ाने के मसले पर पर्याप्त समर्थन नहीं मिल पाने को निराशाजनक मानता है। उन्होंने कहा, ''हालांकि हम इसे तात्कालिक झटका मानते हैं। हमें उम्मीद है कि समीक्षा के अगले दौर की चर्चा में कोटा बढ़ाने के संबंध में सफलता मिल जाएगी। कोटा का वितरण एक चार सूत्रीय विधि से किया जाता है। इसमें सदस्य देश की जीडीपी, आर्थिक खुलापन, आर्थिक विविधता और अंतरराष्ट्रीय भंडार पर गौर किया जाता है। उल्लेखनीय है कि आईएमएफ में भारत का कोटा 2.76 प्रतिशत और चीन का कोटा 6.41 प्रतिशत है। अमेरिका का कोटा सर्वाधिक 17.46 प्रतिशत है जिसे कारण उसके पास मताधिकार की 16.52 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

संक्षिप्त समाचार

धनतेरस से पहले महंगा हुआ सोना

नई दिल्ली। विदेशों में सोने-चांदी में मामूली बदलाव के बीच स्थानीय बाजार में धनतेरस से पहले सोने-चांदी में तेजी लौट आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में बीते सप्ताह सोना 530 रुपए महंगा होकर 39,670 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया जो डेढ़ सप्ताह के उच्चतम स्तर के काफी करीब है। पिछले साल धनतेरस की तुलना में इस साल धनतेरस में सोना 21.35 फीसदी महंगा हो चुका है। यह 05 नवंबर 2018 को धनतेरस के दिन 32,690 रुपए प्रति दस ग्राम पर रहा था। करीब एक साल में इसकी कीमत 6,980 रुपए बढ़ चुकी है। गत सप्ताह चांदी भी 360 रुपए चढ़कर 47,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले साल धनतेरस से अब तक इसकी कीमत 7,460 रुपए यानी 18.87 फीसदी बढ़ चुकी है। गत वर्ष 05 नवंबर को यह 39,540 रुपए प्रति किलोग्राम रही थी। चांदी के सिक्के भी पिछले धनतेरस की तुलना में 21 फीसदी से ज्यादा महंगे हो चुके हैं। लंदन एवं न्यूयॉर्क से प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत सप्ताह सोना हाजिर 1.75 डॉलर की बढ़त में 1,490.40 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। दिसंबर का अमेरिकी सोना वायदा 0.10 डॉलर की मामूली गिरावट में सप्ताहांत पर 1,493.40 डॉलर प्रति औंस बोला गया। चांदी हाजिर भी 0.01 डॉलर फिसलकर 17.52 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई।

रिसर्च में खुलासा, 6 में से 1 युवा ड्राइविंग के समय करता है स्नैपचैट का इस्तेमाल

सिडनी। वाहन चलाते वक्त स्मार्टफोन का इस्तेमाल नहीं करने की हिदायत पर कुछ लोग ध्यान नहीं देते। वहीं अब रिसर्च से कहा है कि इसकी अवेहलना के लिए सबसे बड़ा दोषी स्नैपचैट को माना जा सकता है, क्योंकि उन्होंने पाया है कि हर 6 में से 1 युवा चालक ड्राइविंग करते समय स्नैपचैट का इस्तेमाल करता है। कुछ ने इस बात को माना कि वे ड्राइविंग के समय स्नैपचैट सिर्फ देखने और दूसरे लोगों के मैसेज का रिप्लाई करने के लिए इस्तेमाल करते हैं, वहीं सर्वे के अन्य 15 प्रतिशत ने कहा कि उन्होंने अपने फोन का इस्तेमाल इस सभी चीजों के अलावा वीडियो और तस्वीरों को भेजने के लिए भी किया है। एक्सीडेंट एनालिसिस एंड प्रिवेंशन नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के लिए, क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (क्यूयूटी) के रिसर्चर्स ने सड़क पर लोकप्रिय सोशल मीडिया ऐप स्नैपचैट का उपयोग करने के बारे में 17 से 25 वर्ष की आयु के 503 ड्राइवरों का सर्वेक्षण किया। रिसर्च वेरिटी ट्रूलव ने कहा कि सर्वे में शामिल 16 प्रतिशत लोगों ने इस बात को स्वीकार किया है कि वे वाहन चलाते समय स्नैपचैट का इस्तेमाल करते हैं। ट्रूलव ने आगे कहा, «इस एप को प्रयोग करने वाले यूजर्स (71 प्रतिशत) ने कहा कि वह इसका इस्तेमाल सिर्फ रेड लाइट पर करते हैं, जबकि बाकी बचे यूजर्स ने कहा कि वह इस एप का इस्तेमाल ड्राइविंग करते समय किसी भी स्पीड, किसी भी समय कर लेते हैं।

फियो ने बनाया भारत-जापान बिजनेस ग्रुप

नई दिल्ली। जापान के साथ कारोबारी संबंधों को और अधिक प्रोत्साहन देने के लिए भारतीय निर्यातक महासंघ (फियो) ने 'भारत- जापान बिजनेस ग्रुप' का गठन किया है। फियो के अध्यक्ष शरद कुमार सराफ ने 'भारत और जापान के बीच व्यापार और व्यवसाय के अवसरों पर आयोजित एक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच निर्यात, आयात और निवेश को बढ़ावा देने और भारत और जापान के व्यापारिक समुदायों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करने के लिए एक ऑनलाइन मंच 'भारत-जापान बिजनेस ग्रुप' बनाया गया है। उन्होंने बताया कि फियो ने भारत और जापान के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए टोक्यो प्रशासन से जुड़े 'जापान इंडिया इंडस्ट्री प्रमोशन एसोसिएशन (जेआईआईपीए) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन दो प्रमुख संस्थानों के बीच अधिक से अधिक सहयोग और बातचीत का मार्ग प्रशस्त करेगा। सराफ ने कहा कि दोनों देशों के बीच 17.6 अरब डॉलर का मौजूदा कारोबार पूरी क्षमता के अनुरूप नहीं है। जापान को अभी तीन अरब डॉलर से अधिक का निर्यात किया जा सकता है। फार्मास्यूटिकल्स, रत्न और आभूषण, समुद्री उत्पाद, चावल, मांस, टी-शर्ट, फेरो सिलिकॉन, एल्यूमीनियम, आदि क्षेत्रों में निर्यात की प्रबल संभावनाएं हैं। इस अवसर पर फियो के महानिदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अजय सहाय ने कहा कि भारतीय निर्यातकों को निर्यात के वैसे मूल्य वर्धित (वैल्यू एडेड) पर ध्यान देना चाहिए, जो जापान में मुख्य रूप से आयात होता है। जापान में आयात होने वाले कई उत्पादों में भारत की हिस्सेदारी बेहद कम है। बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में भारत की हिस्सेदारी 0.09 प्रतिशत, मशीनरी 0.36 प्रतिशत, दवा 0.24 प्रतिशत और चिकित्सा और सर्जिकल उपकरणों 0.38 प्रतिशत है जिनमें बड़े पैमाने पर सुधार की आवश्यकता है क्योंकि जापान में इन उत्पादों का आयात 250 अरब डॉलर से अधिक का है।

सलाबतपुरा क्षेत्र में रिक्शा गिरोह का आतंक

दो घटनाओ को दिया अंजाम, ४० हजार के मोबाइल उड़ाए

सूरत.

शहर के सलाबतपुरा क्षेत्र में उत्पात मचा रहे ऑटो रिक्शा गिरोह ने दो अलग अलग घटनाओ को अंजाम दिया और रिक्शा में सवार यात्री को अपना निशाना बनाकर उनके ४० हजार की कीमत के मोबाइल उड़ाकर फरार हो गए.

मिली जानकारी के मुताबिक़ जोलवा की साईदीप रेसीडेंसी निवासी अनुजकुमार मिश्रा १० अक्टूबर की दोपहर को एक रिक्शा में सवार होकर पुरानी किन्नरी सिनेमा के पास से जा रहा था तभी रिक्शा में पहले से ही सवार तीन अज्ञात चिटरो ने उसकी जेब में से २१ हजार की कीमत का मोबाईल चुराकर भाग गए थे. दूसरी घटना में पासोदरा के ॐ टाउनशिप निवासी हितेश गिरी गत २४ नवंबर को एक रिक्शा में सवार होकर रिंग रोड की एम्पायर एस्टेट बिल्डिंग के पास से जा रहा था तभी रिक्शा में सवार तीन अज्ञात बदमाश उसकी जेब में से २० हजार की कीमत का मोबाइल चुराकर भाग गए थे. इन दोनों घटनाओ में सलाबतपुरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जाँच शुरू की है.

पूणागाम पुलिस ने दो करोड़ के नकली नोटों के साथ चार को दबोचा

मुंबई से आनेवाली लक्जरी बस में सवार थे आरोपी

सूरत.

नियोल चेक पोस्ट के पास से पूणागाम पुलिस ने मुंबई से आनेवाली एक लक्जरी बस की तलाशी लेने के दौरान नकली नोटों के बंडलों के साथ चार जालसाजों को दबोच लिया.आरोपी असली नोटों के बिच नकली नोट बाजार में घुमाने के प्रयास में थे लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था जानकारी के मुताबिक़ पुनागाव पुलिस को मुखबिर से गुप्त सुचना के आधार पर नियोल चेक पोस्ट के पास मुंबई से आनेवाली एक लक्जरी बस में चेकिंग के दौरान आरोपी जुबेर अहेमद मुस्ताक अहमद, चंद्रभान उर्फ़ भान रामकिशन मौर्या, इमरान खालिद शेख तथा सलीम इस्लाम शेख को दबोचा,उनके पास से पुलिस ने थैला लेकर उसकी आंच की जिसमे नोटों के बंडल थे.पुलिस द्वारा की गई जांच पड़ताल में यह खुलासा हुआ कि आरोपी नोटों के बंडलों के ऊपर और निचे २ हजार के असली नॉट रखे थे और बिच में नकली नोट थे.दीपावली के पर्व के दौरान नकली नोटों को बाजार में घुमान के मकसद से आये जालसाजों को पुलिस ने गिरफ्तार कर मुद्दामाल जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू की है.

हजीरा हाइवे पर बदमाशों ने मचाया आतंक

कार चालक को घेरा और सामान लूटकर भागे

सूरत.

हजीरा हाइवे पर गत रात चार अज्ञात बदमाशों ने पुलिस की गश्त की धज्जीया उड़ाने के साथ आतंक मचा दिया. एक कार चालक को घेरकर उसकी आखो में स्प्रे छांट दिया और फिर उसकी कार में से जरुरी कागजात सहित सामान लूटकर भाग गए थे.

मिली जानकारी के मुताबिक़ अमरोली स्थित मणिबा पार्क सोसाइटी निवासी संजय गामित गत रात ऑफिस से अपनी इको कार लेकर घर पर जा रहा था .वह हजीरा हाइवे पर स्थित सीजे पटेल कॉलेज के आगे से जा रहा था, रात के नौ बजे के दो अलग अलग एक्टिवा पर आये चार बदमाशों ने उसे रोक लिया था और घेर लिया था इसके बाद उसकी आखो में स्प्रे छांट दिया और कार के अंदर से आरसी बुक, ड्राइविंग लाइसेंस,अमाउंट भरे हुए चेक सहित जरुरी कागजात,१० हजार रूपये नगद मिलाकर सामान लूटकर भाग गए थे. घटना से युवक काफी घबरा गया था और फिर उसने जहांगीरपुरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई.पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जाँच पड़ताल शुरू की है.

मुख्यमंत्री और समरकंद के गवर्नर के बीच हुई बैठक

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने उज्बेकिस्तान दौरे के दूसरे दिन रविवार को समरकंद के गवर्नर एर्किंजन तुर्डिमोव के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री ने जीरो बजट प्राकृतिक खेती को प्राथमिकता देते हुए उस क्षेत्र में गुजरात द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों से समरकंद के गवर्नर को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि जीरो बजट प्राकृतिक खेती के अंतर्गत रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग के बजाय प्राकृतिक पदार्थों एवं पद्धति से खेती होने के कारण स्वास्थ्य को हानि पहुंचने की संभावना नहीं रहती। मुख्यमंत्री ने भी इस समूह के दौरे के दौरान राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। विजय रूपाणी ने प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए समरकंद के गवर्नर को बताया कि खेती की इस पद्धति में गौमूत्र और गोबर का अन्य प्राकृतिक पदार्थों के साथ उपयोग किया जाता है। इन्होंने इस संबंध में उज्बेकिस्तान के बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र के विशेषज्ञों एवं किसानों के एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) को गुजरात की प्राकृतिक खेती पद्धति के अभ्यास के लिए गुजरात दौरे पर भेजने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने भी इस समूह के दौरे के दौरान राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। विजय रूपाणी ने प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए समरकंद के गवर्नर को बताया कि खेती की इस पद्धति में गौमूत्र और गोबर का अन्य प्राकृतिक पदार्थों के साथ उपयोग किया जाता है। इस पद्धति में एक गाय के गोबर और मूत्र से लगभग 10 हेक्टेयर जमीन को खाद के रूप में पोषक तत्व मिलते हैं। बैठक के दौरान कृषि क्षेत्र सहित टेक्सटाइल, फार्मा, एग्रो प्रोसेसिंग और पर्यटन के क्षेत्रों में भी परस्पर सहयोग के लिए मुख्यमंत्री और समरकंद के गवर्नर के बीच फलदायी विचार-विमर्श हुआ। बैठक में गुजरात प्रतिनिधिमंडल के उच्च अधिकारी, डेलिगेट्स तथा समरकंद-उज्बेकिस्तान के कृषि मंत्रालय तथा इनोवेटिव डेवलपमेंट मिनिस्ट्री के अधिकारी भी मौजूद थे।

चोरो ने वकील के घर में से की २६ हजार की चोरी

सूरत.

लिम्बायत क्षेत्र में रहनेवाले एक वकील के घर को अज्ञात चोरो ने निशाना बनाया और नगद रूपये,सोने चांदी के गहने और मोबाइल सहित २६ हजार का माल चुराकर फरार हो गए थे.

जानकारी के अनुसार लिम्बायत स्थित श्रीजी नगर निवासी अजयकुमार रामवतार रावत पेशे से वकील है. देर रात को उनके घर का दरवाजा खुला था उस दौरान अज्ञात चोर उनके घर में घुस गए थे.और फिर अलमारी में रखे सोने चांदी के गहने,मोबाइल और नगद समेत २६ हजार का माल चुराकर भाग गए थे.घटना के संदर्भ में लिम्बायत पुलिस थाने में शिकायत दर्ज की गई है.पुलिस ने मामले की अग्रिम जांच शुरू की है.

गुजरात में बारिश के दौरान 199 लोगों ने गंवाई जान, बिजली गिरने से 54 मौतें

अहमदाबाद। गुजरात में इस साल सामान्य से अधिक बारिश हुई और इस दौरान 199 लोगों की जान चली गई। जिसमें बिजली गिरने की घटना में 54, दीवार ढहने और पेड गिरने की घटना में 56 लोगों की मौत हो गई। गुजरात सरकार की ओर से ज्यादातर मृतकों के परिजनों को सहायता मुहैया करवाई जा चुका है। गुजरात में इस वर्ष 140 फीसदी से अधिक बारिश हुई है। जिसमें सबसे अधिक बारिश कच्छ दर्ज हुई। अच्छी बारिश होने से राज्य के ज यादातर डैम छलक गए हैं। भारी बारिश के चलते राज्य के कई जिलों में कृषि फसलों को व्यापक नुकसान हुआ। बारिश के कारण राज्य में 199 लोगों की मौत हुई है। अहमदाबाद में सबसे अधिक 20 लोगों की मौत हुई। वहीं मोरबी में 15, राजकोट में 11, डांग में 11 और नर्मदा जिले में बारिश के कारण 11 लोगों की मौत हुई। जबकि छोटाउदेपुर में 10, तापी में 10 और भरुच में 10 लोगों की जान चली गई। राज्य में बारिश के कारण हुई दुर्घटना में बिजली गिरने से 54 लोगों की मौत हुई। जबकि 89 लोग पानी के तेज बहाव में बह गए और पेड़ व दीवार गिरने की घटना में 56 लोगों की मौत हो गई। गुजरात सरकार ने प्रति मृतक रु. 4 लाख की सहायता राशि का ऐलान किया था। जिसमें 179 परिवारों को रु. 7.16 करोड़ की सहायता राशि का भुगतान कर दिया गया है। राज्य में 5 लाख हेक्टर जमीन में भारी बारिश के कारण कृषि फसलों को करीब 138.75 करोड़ रुपए नुकसान हुआ है। जुलाई से सितंबर महीने के दौरान हुई बारिश के कारण राज्य में 2.37 लाख हेक्टर में 33 प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ है। बिजली गिरने की घटना में 54, दीवार ढहने और पेड गिरने की घटना में 56 लोगों की मौत हो गई। गुजरात सरकार की ओर से ज्यादातर मृतकों के परिजनों को सहायता मुहैया करवाई जा चुका है। राज्य के कुल 4374 गांवों के 2.33 लाख किसानों को कृषि में नुकसान हुआ है।

सर्प दंश से जीवन और मौत के बिच जूझ रहा था वृद्ध

१०८ एम्ब्युलेंस की टीम ने बचाई जान

सूरत.

उधना निवासी एक वृद्ध को साप ने डस लिया था.सर्प दंश के बाद वृद्ध की तबियत अधिक खराब हो गई थी और वह जीवन तथा मौत के बिच झूझने लगा था इसी परिस्थिति में १० एम्ब्युलेंस की टीम ने समयसूचकता के साथ उसे आवश्यक इलाज देकर उसकी जिंदगी बचा ली. मिली जानकारी के मुताबिक़ खरवर नगर निवासी ६० वर्षीय यशवंत पटेल के परिवारवालो ने बताया कि गत रोज सर्प दंश से किसी व्यक्ति को उन्होंने बचाने की कोशिश की तब साप ने उन्हें २ से ३ बार डस लिया था.सर्प दंश की वजह से वह बेहोश हो गए थे जिससे किसी ने तुरंत १०८ एम्ब्युलेंस को कॉल किया था. जिससे मानदरवाजा लोकेशन की १०८ एम्ब्युलेंस में ईएमटी विशाल पड़शाला और पायलट नीलेश राठवा ३ किलो मीटर का अंतर ४ मिनट में पूरा कर समय से मौके पर पहुंचे और वृद्ध को एम्ब्युलेंस में लेकर उसे एंटी वेनम नामक इंजेक्शन सहित जरुरी उपचार दिया।

अहमदाबाद। आपको बडे दुख के साथ सूचित कर रहा हूँ कि श्री हरिश्चंद्र मौर्य पुत्र श्री रामराज मौर्य जो इन्डियन आर्मी में थे का निधन कल चेन्नई आर्मी अस्पताल में हो गया था(मूल निवासी सुल्तान पुर,यू.पी.)।

चाकू मारकर महिला की कर दी नृशंस हत्या

सूरत .

रानीतलाव क्षेत्र में गत रात जली हुई बीड़ी का टुकड़ा फेकने के सामान्य मुद्दे को लकर हुए झगड़े में आरोपी ने चाकू से वार कर महिला की हत्या कर दी. हत्या की घटना से समग्र विस्तार में हड़कंप मच गया.

मिली जानकारी के मुताबिक़ रानीतलाव स्थित माछीवाड निवासी अनिता बेन (३८ वर्ष) गत रात अपने घर में मौजूद थी. इस दौरान आरोपी पक्की उर्फ़ नारायण माछी नामक युवक ने जली हुई बीड़ी का टुकड़ा उसके घर के पास फेक दिया था.जिसपर अनीता बेन ने उसे बीड़ी का टुकड़ा यहाँ क्यों फेका कहकर डाट लगाई थी इस बात को लेकर आरोपी पक्की उर्फ़ नारायण इतना आक्रोश में आ गया था की चाकू लेकर आया और अनीता बेन पर दो बार वार कर उसकी नृशंस हत्या कर दी. हत्या की घटना की वजह से समग्र विस्तार में सनसनी मच गई थी. लालगेट पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और फिर आरोपी पक्की के खिलाफ मामला दर्ज आगे की जाँच शुरू की.

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)